भारत और ज़ाम्बिया के संबंध ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ, मित्रतापूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 2018: आ संसद भवन में ज़ाम्बिया गणराज्य की नेशनल असेम्बली के स्पीकर माननीय न्यायमूर्ति डॉ. पट्रिक मटिबिनी के नेतृत्व में ज़ाम्बिया से आये संसदीय शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महा न ने कहा कि भारत और ज़ाम्बिया के संबंध ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ, मित्रतापूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहे हैं ो कि लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और कानून के शासन के साझे मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि दोनों देशों ने सदव एक-दूसरे का साथ दिया ह और यह आशा व्यक्त की कि इस शिष्टमंडल के दौरे से दोनों देशों के वर्तमान द्विपक्षीय संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे और इनका विस्तार होगा।

श्रीमती महा न ने बहु-पक्षीय मंचों ी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आई.टी.यू. और अन्य संगठनों में भारत का समर्थन करने के लिए ज़ाम्बिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ज़ाम्बिया के विकास में सहभागिता करने और उसमें योगदान करने हेतु सदव इच्छुक रहा ह।

भारत के सच्चे मित्र ज़ाम्बिया के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. केन्नेथ कौण्डा का स्मरण करते हुए श्रीमती महा न ने कहा कि वे महात्मा गांधी की शिक्षाओं से प्रेरित थे। श्रीमती महा न ने इस बात पर संतोष ताया कि ज़ाम्बिया की नेशनल असेम्बली के अधिकारीगण आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत बीपीएसटी में प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त कर रहे हैं और शिष्टमंडल को यह सूचित किया कि संसद में अध्यक्षीय शोध कदम (अशोक) की स्थापना की गई ह और इस बात का सुझाव दिया कि भारतीय संसद के संसदीय कार्यकरण से परिचित होने के लिए ज़ाम्बिया के युवा छात्र अध्यक्षीय शोध कदम के एक महीने और तीन महीनों के प्रशिक्षुता कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

प्रत्युत्तर में, माननीय न्यायमूर्ति डॉ. पट्रिक मटिबिनी ने उनके शिष्टमंडल को प्रदान किए गए उत्कृष्ट आतिथ्य-सत्कार के लिए लोक सभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भारत और ाम्बिया के द्विपक्षीय संबंधों में और अधिक म बूती आएगी।